हिन्दी पखवाड़ा का समापन समारोह 2023

29.09.2023

भा.वा.अ.शि.प - वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर

भा.वा.अ.शि.प - वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान , कोयम्बत्तूर में 29 सितम्बर 2023 को हिन्दी पखवाड़े का समापन समारोह आयोजित किया गया। हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु 14-28 सितंबर तक विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस समारोह में सभी कर्मचारियों ने हर्षोल्लास से भाग लिया। इस अवसर पर डॉ .एस.एस.रेश्मी, एसोसिएट प्रोफेसर, श्री नारायणगुरु कॉलेज, कोयम्बत्तूर मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सर्वप्रथम राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष श्रीमती के.शांति, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने मुख्य अतिथि एवं सभा में उपस्थित सभी अधिकारियों , वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों का हार्दिक स्वागत किया। इसके उपरान्त राजभाषा कार्यान्वयन समिति के नोडल अधिकारी श्रीमती आर.जी.अनीता, तकनीकी अधिकारी ने सभी के समक्ष वर्ष 2022-23 की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट पेश किया।

डॉ.बि.नागरजन, वैज्ञानिक - जी ने अपने भाषण में संस्थान के द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन में की गई प्रगति के बारे में बताते हुए कहा कि राजभाषा विभाग द्वारा दिये गए लक्ष्य की पूर्ति के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने नियमित कार्यों में जहां तक हो सके हिन्दी का प्रयोग करना चाहिए। अपने अनुभव के द्वारा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी को हिन्दी सिखनी चाहिए और अपने पत्राचार एवं टिप्पणी लेखन में हिन्दी का प्रयोग कर राजभाषा के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना योगदान देना चाहिए।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह के दौरान 14-28 सितम्बर 2023 तक विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें ***हिन्दी अंताक्षरी प्रतियोगिता, हिन्दी पत्र अनुवाद प्रतियोगिता, हिन्दी शब्दों का व्यवस्थिकरण प्रतियोगिता आदि*** शामिल थे। इन प्रतियोगिताओं में सभी कर्मचारियों ने उमंग-उत्साह से भाग लिया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अथिति ने प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार देकर उन्हें सम्मा नित किया और सभी सहभागिताओं को भी प्रमाणपत्र देकर उन्हें प्रोत्साहित किया।

मुख्य अतिथि डॉ.एस.एस.रेश्मी, एसोसिएट प्रोफेसर, श्री नारायणगुरु कॉलेज, कोयम्बत्तूर ने हिन्दी भाषा के महत्व पर विशेष भाषण दिया। अपने भाषण में उन्होंने भाषा का महत्व बताते हुए कहा कि हिन्दी भाषा एक ऐसी भाषा है जिसे भारत के कई राज्यों में बोली जाती है और यह भाषा अपने विचारों की लेन-देन करने में सभी को आपस में जोड़ती है। आगे कहा कि न सिर्फ

हिन्दी, किसी भी भाषा को सीखने से व्यक्ति की उन्नति ही होती है। भाषा को सीखने में किसी का भी नुकसान नहीं होता। इसलिए उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी को जरूर हिन्दी सीखनी चाहिए और भारत सरकार के नियमों का पालन करना चाहिए। संस्थान के द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन में की गई प्रगति के लिये सभी को बधाई दी और इसी तरह भविष्य में भी प्रगति करते रहने की शुभकामनाएँ दी।

अंत में डॉ.बि.नागरजन, वैज्ञानिक - जी ने मुख्य अथिति को ए क मोमेन्टो भेंट किया। समारोह का समापन श्रीमती पूंगोदै कृष्णन, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह की कुछ झलकियां